यूक्रेन पर रूस का हमला : एक तरफ मौत दूसरी ओर परीक्षा की चिंता

जंग के बीच यूक्रेन में फंसे बंगाल के छात्र

कोलकाता. यूक्रेन पर रूस के हमले से तबाही के बीच कोलकाता समेत बंगाल के कई छात्र वहां फंस गए हैं। इनमें से ज्यादातर मेडिकल पढ़ाई के लिए वहां गए हैं। रूसी हमले के कारण वहां बशीरहाट के अर्पण जैसे कई बांग्ला भाषी छात्र फंस गए हैं। इनमें यूक्रेन के पिरोगोव मेमोरियल मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस तीसरे वर्ष का दमदम निवासी छात्र अनुभव चंदेल भी शामिल है। इन छात्रों को एक तरफ जंग तो दूसरी ओर परीक्षा की चिंता सता रही।

छात्रों ने कहा, हालात भयावह

यूक्रेन में फंसा छात्र अर्णव

संतान की चिंता में डूबे रामपद मंडल

बशीरहाट अनुमंडल के वार्ड 9 निवासी शिक्षक रामपद मंडल और उनकी पत्नी वंदना मंडल अपने इकलौती संतान अर्पण मंडल की चिंता में डूबे हैं। अर्पण 3 साल पहले 2019 में मेडिकल तालीम के लिए यूक्रेन गया। अर्पण यूक्रेन के दीनाप्रो पेट्रोवाक्स शहर में है। उसके माता-पिता गुरुवार को टीवी पर रूसी हमले की खबरें देखने के बाद से परेशान हैं। वे ईश्वर से फरियाद कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी उनका बेटा घर लौट आए। मंडल परिवार दहशत में है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए बेटे से बातचीत हुई पर वे चाहते हैं कि भारतीय दूतावास उनके बच्चों सहित सभी भारतीय छात्रों को तुरंत स्वदेश ले कर आए। उनका कहना है कि अर्पण से बात करने पर पता चला कि वहां की स्थिति काफी भयावह है। वह भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं।

किसी भी सूरत में टले तीसरा विश्व युद्ध

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर बोले महानगर के लोग

कोलकाता @ पत्रिका. रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग से तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका पैदा हो गई है। विश्व की महाशक्तियों को तत्काल दखल देना चाहिए। किसी भी सूरत में तीसरा विश्व युद्ध टालना चाहिए। युद्ध सभी के लिए विनाशकारी होगा। युद्ध लंबा चला तो भारत में हर चीज महंगी हो जाएगी। भारत को गुट निरपेक्ष की नीतियों का पालन कर शांति कायम करने के प्रयास करने चाहिए। यह कहना है महानगर के प्रमुख व्यक्तियों का, वे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर गुरुवार को प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे।

ज्योति, निशा भी शामिल

बंगाली छात्रों को यूक्रेन सरकार ने विश्वविद्यालय के हॉस्टलों में सुरक्षित रखा है। पानागढ़ बाजार न्यू स्टेशन रोड निवासी शिक्षक की बिटिया ज्योति सिंह भी यूक्रेन में फंसी है। उत्तर 24 परगना के हाबरा क्षेत्र के कुमरा ग्राम पंचायत के काशीपुर दक्षिण पारा निवासी जुल्फिकार विश्वास की बेटी निशा विश्वास की भी यही कहानी है।

टालना होगा तीसरा विश्व युद्ध

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण वैश्विक शेयर बाजार धड़ाम हो गए हैं। सोने की कीमतें बढ़ गई हैं। भारत में क्रूड ऑयल सौ डॉलर प्रति बैरल की सीमा लांघ चुका है। तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका पैदा हुई है। महाशक्तियों को तत्काल दखल देना चाहिए। किसी भी सूरत में तीसरा विश्व युद्ध टालना होगा।

मनोज सुराना, वित्त विशेषज्ञ।

रूस पुराना सहयोगी

भारत के ऊपर भूत में मंडराए संकट के समय रूस ने साथ दिया था। वह हमारा पुराना सहयोगी है। वहीं दूसरी ओर यूक्रेन व अमरीका नीत नाटो लोकतांत्रिक परंपराओं वाले देश हैं। इसलिए भारत को गुट निरपेक्ष की नीतियों का पालन कर शांति कायम करने के प्रयास करने चाहिए। विश्व को आज गुटनिरपेक्षता की जरूरत है।

प्रद्युत भंडारी, अधिवक्ता।

भारतीय कूटनीति की परीक्षा

रूस-यूक्रेन जंग के कारण भारतीय कूटनीति की परीक्षा की घड़ी आ गई है। रूस हमारा पुराना सहयोगी है अमरीका विश्व की महाशक्ति। दोनों आमने सामने हैं। इस स्थिति में तीसरे विश्व युद्ध की बुनियाद तैयार हो सकती है। युद्ध तेज हुआ तो भारत में रूस निर्मित हथियारों की सप्लाई पर प्रभाव पड़ सकता है।

केके दुबे, प्रधानाचार्य, केवी काशीपुर।

भारत पर भी पड़ेगा असर

युद्ध का असर भारत पर भी पड़ेगा। गैस और पेट्रोल महंगे हो जाएंगे। युद्ध लंबा चला तो भारत की आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ेगा। भारत के रूस से संबंध बहुत अच्छे रहे हैं। यूक्रेन भी चाहता है कि भारत उनकी ओर से युद्ध रोकने में हस्तक्षेप करे। रूस के पक्ष में होकर भारत यदि बात करता है, तो अमरीका से दोस्ताना संबंध बिगड़ेंगे। देखा जाए भारत क्या निर्णय लेता है।

जिगर रमेश दोषी, समाजसेवी व व्यवसायी।

हर चीज हो जाएगी महंगी

युद्ध सभी के लिए विनाशकारी होगा। युद्ध लंबा चला तो भारत में हर चीज महंगी हो जाएगी। ट्रांसपोर्ट पर भी बुरा असर पड़ेगा। लोगों को सब्जियां तक नहीं मिलेंगी। मिलेगी भी तो काफी महंगी। भारत के दोनों महाशक्तियों रूस और अमरीका से अच्छे संबंध हैं। देखना है कि भारत क्या निर्णय लेता है।

भानीराम सुरेखा, समाजसेवी व उद्योगपति।

मध्यस्थता की करनी पड़ेगी पहल

युद्ध लंबा नहीं चलेगा। दो-एक दिन में रूस का यूक्रेन पर कब्जा हो जाएगा। भारत यूक्रेन और रूस के बीच मध्यस्थता करेगा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत में आकर पांच दिन रहे थे। उनकी पीएम नरेंद्र मोदी से लंबी चर्चा भी हुई थी। नाटो का कोई भी देश सीधे यूक्रेन की तरफ से आकर युद्ध नहीं करने वाला है।

सुबीर रायचौधरी, कोऑर्डिनेटर-स्वावलंबी भारत।

और बढ़ेंगे तेल के दाम

युद्ध छिड़ने के साथ ही तेल के दाम बढ़ गए हैं। तेल के दाम और भी बढ़ेंगे। इसके अलावा कारोबार के लिए नकारात्मक माहौल तैयार होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लॉजिस्टिक भी महंगा होगा और आयात-निर्यात प्रभावित होगा।

ऋषव कोठारी, अध्यक्ष, एमसीसीसी।

नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ने लगी है। पश्चिम बंगाल सहित देश के रबड़ और प्लास्टिक सहित अन्य उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अगर युद्ध लंबा चला तो इसका उद्योग पर दीर्घकालीन प्रभाव होगा। शेयर बाजार पहले ही गिर गया है।

नवरतन झंवर, उद्योगपति।

व्यापार पर पड़ेगा प्रभाव

युद्ध की स्थिति में उद्योग और व्यापार पर प्रभाव पड़ता ही है। आतंक का माहौल बन जाता है। ज्यादा प्रभाव आयात-निर्यात पर पड़ता है। लड़ाई लंबी चली तो देश के चाय और दवा उद्योग पर अच्छा-खासा असर पड़ेगा। बंगाल और अन्य राज्यों से यूक्रेन और रूस में चाय और दवाएं निर्यात होती हैं।

राजेन्द्र खंडेलवाल, एमडी, धनवंतरि समूह।

अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

युद्ध का सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। 3-4 दिनों में युद्ध खत्म हो गया तो हालात सुधर जाएंगे। युद्ध लम्बा चलने पर चाय के निर्यात पर असर पड़ेगा। भारत दोनों देशों में निर्यात करता है। इस मामले में केन्द्र सरकार की नीति भी गौर करने वाली होगी।

शैलजा मेहता, अध्यक्ष, कलकत्ता चेम्बर ऑफ कॉमर्स।

भारत के रुख का इंतजार

भारत की कूटनीतिक चाल पर सभी की नजरें रहेंगी। देखना है कि भारत किसके पक्ष में खड़ा होता है। इस मामले में पीएम नरेन्द्र मोदी के रुख का इंतजार है। वे गुटनिरपेक्षता की राह पर चलते हैं अथवा किसका पक्ष लेते हैं? यह गौर करने वाली बात होगी। जहां तक अतीत की बात है पं. जवाहर लाल नेहरू ने गुटनिरपेक्षता पर भरोसा जताया था।

डॉ. प्रतीप चट्टोपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर, कल्याणी विश्वविद्यालय।

पूरी दुनिया पर असर

युद्ध से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। विश्वयुद्ध के संकेत मिलने आरंभ हो गए हैं। युद्ध के पहले दिन ही शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। आने वाले वक्त में यह कहां तक जाकर रुकेगा यह कहना मुश्किल है। जहां तक तेल की कीमतों का सवाल है उसका असर हर चीज पर पड़ेगा।

महेंद्र जैन, सचिव, बैंबर ऑफ टेक्सटाइल एंड इंडस्ट्री।

विकासशील देश होंगे प्रभावित

कोरोना काल में इस तरह के युद्ध की कतई आवश्यकता नहीं थी। खासकर भारत जैसे विकासशील देश पर इस जंग का लोगों की दैनिक आजीविका पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा। कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं जिसका हर चीज पर असर होगा।

प्रवीण कुमार सिन्हा, आईटी सॉफ्टवेयर इंजीनियर।

पूरी दुनिया को होगा भारी नुकसान

इस जंग से तीसरे विश्व युद्ध की तरफ दुनिया जाती दिख रही है। विवाद बढ़ने पर चीन आगे आएगा और रूस की मदद करेगा। अधिकतर देश किसी न किसी के पक्ष में खड़े हो जाएंगे। यदि ऐसा हुआ पूरी दुनिया को भारी नुकसान होगा। संयुक्त राष्ट्रसंघ को इसमें फौरन कार्रवाई करनी चाहिए।

अतुल जैन, बटन निर्माता एक्सपोर्ट कारोबारी।

बच्चों की वापसी को लेकर चिंतित

दुर्गापुर से मेडिकल पढ़ाई करने गये कई छात्र यूक्रेन नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में फंसे पड़े हैं। ये सभी छात्र बंगाल लौटना चाहते हैं। इनके परिजनों ने दूतावास से संपर्क कर विशेष चार्टर फ्लाइट से बच्चों को वापस लाने की गुहार लगाई है। दुर्गापुर स्टील टाउन निवासी राहुल प्रसाद राय, शुभजीत सिन्हा, नेहा खान, जीनत खान सहित पांच छात्र मेडिकल पढ़ाई करने यूक्रेन गए हैं। सभी के परिजन रूसी हमले के बाद एयरपोर्ट बंद होने पर बच्चों की वापसी को लेकर चिंतित हैं।